

वार्तालाप नं. 494, सीहोर मिनीमधुबन, (मध्य प्रदेश) दिनांक 17.1.08

Disc.CD No. 494, dated 17.1.08 at Sehore MM, (Madhya Pradesh)

समय: 05.02—08.35

जिज्ञासु:— बाबा झाड़ के चित्र में जो विदेशी विधर्मी आत्मायें हैं उनके तरफ महात्मा गांधी और विवेकानंद का जो चित्र बना है, उसका तात्पर्य क्या है बाबा? महात्मा गांधी भी चित्र बना है और विवेकानंद का बना है।

बाबा:— ये कौरव संप्रदाय थे या पाण्डव संप्रदाय थे? कौरवों के मुखिया का नाम क्या है हृद की दुनियाँ में? अच्छा, शास्त्रों में नाम क्या है? धृतराष्ट्र। स्वतंत्रता संग्राम से पहले और स्वतंत्रता संग्राम के बीच सारे राष्ट्र को अपनी मुठ्ठी में लेने वाला कौन था? धृतराष्ट्र। क्या नाम था?

जिज्ञासु:— धृतराष्ट्र।

Time: 05.02-08.35

**Student:** Baba, the picture of Mahatma Gandhi and Vivekanand have been made on the side of the *videshi vidharmi*<sup>1</sup> souls in the picture of the Tree, what does it convey? There is a picture of Mahatma Gandhi as well as Vivekanand.

**Baba:** Were they part of the Kaurava community or the Pandava community? What is the name of the chief of Kauravas in the limited world? OK, what is his name in the scriptures? Dhritrashtra. Before the freedom struggle and during the freedom struggle, who took the entire nation (*rashtra*) under his control? Dhritrashtra. What was the name?

Student: Dhritrashtra.

बाबा:— वो तो शास्त्रों का नाम हुआ, प्रैक्टिकल नाम क्या था? महात्मा गांधी। सारे देश को अपनी मुठ्ठी में लिया हुआ था। गीत भी बनाया—चालिस कोटी के पिता चले, चालिस कोटी के प्राण चले। ये तो लौकिक दुनिया की बात हुई लेकिन शास्त्रों में जो धृतराष्ट्र और गांधारी नाम आया हुआ है। जो हस्तिनापुर का राजा था, जिसका नाम क्या दिया? उस राज्य का नाम क्या दिया? हस्तिनापुर। देहअभिमानी हाथियों का पुर। कलियुग अंत में क्या हो जाते हैं सब? सब देह—अभिमानी हाथी हो जाते हैं। उनके राज्य का मुखिया धृतराष्ट्र। जिसने सारे राष्ट्र की धन संपत्ति को अपनी मुठ्ठी में लिया हुआ था। यज्ञ के आदि में सारे यज्ञ की भागडोर किसके हाथ में आ गई?

जिज्ञासु—ब्रह्माबाबा।

**Baba:** That is a name in the scriptures. What was his practical name? Mahatma Gandhi. He had the entire country in his hands. A song has also been written : *Chaaless koti ke pita chaley, chaaless koti ke praan chaley*. (Father of forty crores<sup>2</sup> walks; the life of forty crores walks). This is about the *lokik* world. But the name of Dhritrashtra and Gandhari which is mentioned in the scriptures; what was the name of the king of Hastinapur? What was the name of that kingdom? Hastinapur. An abode of body conscious elephants (*hathi*). What does everyone become in the end of the Iron Age? Everyone becomes a body conscious elephant. Chief of their kingdom was Dhritrashtra, the one who had taken the wealth and property of the entire nation in his hands. In the beginning of the yagya, in whose hands did the entire responsibility of the yagya come?

**Student:** Brahma Baba.

<sup>1</sup> The souls belonging to a foreign religion which is opposite to the religion of the Father

<sup>2</sup> one crore: ten million

बाबा:— तो धृतराष्ट्र कौन हुआ?

जिज्ञासु—ब्रह्माबाबा।

बाबा:— तो गांधारी कौन हुई? जो अंधी थी नहीं, अंधी थी नहीं लेकिन जानबूझकर के पट्टा बांधा हुआ था। माया बेटा। ऐसे नहीं कि माया बेटा जानती नहीं थी कि मेरा बाप कौन? लेकिन ना बाप का परिचय खुद लेती थी, ना दूसरों को लेनी देती थी।

**Baba:** So, who is Dhritarashtra?

**Student:** Brahma Baba.

**Baba:** So, who is Gandhari? The one who was not blind; she was not blind, but she had blindfolded herself deliberately. Daughter Maya. It was not so daughter Maya did not know who her father was. But neither she took the introduction of the Father herself nor did she allow others to have it.

समय:19.58—21.44

जिज्ञासु:—बाबा झाड़ू के चित्र के अंदर इब्राहिम को हरे कपड़े पहन के बताया इसका अर्थ क्या है?

बाबा :—हरा रंग, नीला रंग और काला रंग। तामसी स्टेज का सूचक है। तामस का सूचक है। तमस अंधियारे को कहा जाता है। एक कहावत भी है— सावन के अंधे को क्या सूझता है? हरा ही हरा सूझता है। तो जो हरा रंग है वो विषैला रंग माना जाता है, नीला रंग भी विषैला माना जाता है, काला रंग भी विषैला माना जाता है। लेकिन, जो दुःख की दुनिया है दुःखधाम। उसमें सबसे ज्यादा राजाई कौनसे धर्म ने प्राप्त की। इस्लामियों ने। इसलिए ये कहेंगे इस दुनिया में रहकर के भी सबसे ज्यादा सुख किसने भोगा? राजाई का सुख। इस्लामियों ने भोगा। लेकिन कैसा सुख भोगा? विषयवासना का सुख भोगा या निर्विष भोगा? विषयवासना। इसलिए हरा रंग दिखाया।

Time: 19.58-21.44

**Student:** Baba, Abraham has been shown wearing green clothes in the picture of the Tree. What does it mean?

**Baba:** Green, blue and black colours are indicative of a degraded stage. It is a sign of *taamas*. *Tamas* means darkness. There is also a saying, 'Saavan ke andhey ko kya sujhta hai? Haraa hi haraa sujhta hai'. (What does a person who became blind in spring have in mind always? He always thinks of greenery). So, the green colour is considered to be a poisonous colour. Blue colour is also considered to be poisonous. Black colour is also considered to be poisonous. But in the world of sorrows, in the abode of sorrows, which religion enjoyed the maximum kingship? The Islam . This is why it will be said: who enjoyed the maximum happiness while living in this world, the happiness of kingship? The people of Islam . But what kind of happiness did they enjoy? Did they enjoy the pleasure of lust or did they enjoy without lust? [They enjoyed the] pleasure of lust. This is why green colour has been shown.

समय:21.47—22.44

जिज्ञासु:— बाबा ये पोतामेल पूछने वालों को क्या इनाम मिलेगा इनको?

बाबा :— पूछने वालों को?

जिज्ञासु :— जो पूछते हैं आप कितने बजे उठते हो, आप पवित्र रहते हो कि नहीं रहते? इनको क्या इनाम मिलेगा बाबा ये आप बताइये?

बाबा:— पोतामेल तो किसी को पूछने का अधिकार ही नहीं है।

जिज्ञासु:—क्या ये सोलह कला सम्पूर्ण बन चुके जो पोतामेल पूछते हैं? बहुत मुश्किल से आत्मार्य चलती हैं इनके बाद भी ये ऐसे ठोकर मारते हैं आत्माओं को।

बाबा:— बता तो दिया पोतामेल किसी को पूछने का अधिकार ही नहीं है और किसी के पूछने से अगर कोई बताता भी है तो उसको श्रीमत का ज्ञान ही नहीं है। इसलिए जो अनाधिकार चेष्टायें होती हैं उसको एक कान से सुनो और दूसरे कान से निकाल दो।

**Time: 21.47-22.44**

**Student:** Baba, will those who seek *potamail* get any prize?

**Baba:** Those who seek?

**Student:** Baba, please tell me whether those who ask us when do we wake up, whether we lead a pure life or not, get any prize?

**Baba:** Nobody has the right to seek *potamail*.

**Student:** Have they become perfect with 16 celestial degrees that they seek *potamail*? Souls emerge (in advance knowledge) with a great difficulty and despite that these people hurt the souls like this.

**Baba:** You have already been told that nobody has the right to seek *potamail* at all. And even if someone gives it on being asked by someone, then he does not have the knowledge about *shrimat*. This is why such unauthorized attempts should be heard through one ear and removed through the other.

**समय: 22.48—27.20**

जिज्ञासु:—बाबा जैसे ज्ञान में बाबा पाण्डवों को पाण्डव कहते हैं और शक्तियों को शक्तियाँ कहते हैं लेकिन शास्त्रों में विशेष रूप से पाँच पाण्डवों का ही गायन है तो क्या केवल आखरी में पाँच ही पाण्डव बचते हैं क्या बाबा या पाँच ही अपने को गला पाते हैं?

बाबा:—पाण्डवों के साथ शक्तिया नहीं होती हैं क्या? द्वौपदी है, कुंती हैं इन्हें शक्तियाँ नहीं कहेंगे? माद्री हैं, सुभद्रा है, ये शक्तियाँ नहीं थीं?

जिज्ञासु:—हाँ, जी। बाबा जैसे पाँच ही पाण्डवों का गायन है।

बाबा:—पाँच माना उँगलियाँ पर गिने जाने योग्य। ज्यादा नहीं।

**Time: 22.48-27.20**

**Student:** Baba, for example, Baba calls Pandavas (i.e. brothers) as Pandavas and Shaktis (i.e. sisters) as Shaktis in knowledge, but in the scriptures only five Pandavas are especially famous. So Baba, in the end will only five survive or will only five be able to melt themselves (i.e. remove their body consciousness)?

**Baba:** Are there not Shaktis along with Pandavs? There is Draupadi, there is Kunti; will they not be called Shaktis? There is Madri, there is Subhadra; were they not Shaktis?

**Student:** Yes. Baba, for example, only five Pandavas are famous.

**Baba:** Five means people who can be counted on the fingertips. Not more.

जिज्ञासु:— ये बाप, टीचर, सद्गुरु का पार्ट प्रजापिता की सोल ही प्ले करेगी क्या?

बाबा:—बाप बेहद के दो, उनमें सुप्रीम सोल तब साबित होता है जब प्रजापिता में प्रवेश करे और प्रजापिता भी तब साबित होता है जब शिव सुप्रीम सोल उसमें प्रवेश करे। प्रजापिता में। माना दोनों एक—दूसरे के पूरक हैं। शिव के बगैर प्रजापिता की प्रत्यक्षता नहीं हो सकती और प्रजापिता के बगैर शिव बाप की प्रत्यक्षता नहीं हो सकती। और रहा उनका टीचर और सद्गुरु पार्ट। टीचर तो सुप्रीम सोल ही है। प्रजापिता को सुप्रीम टीचर नहीं कहेंगे लेकिन पर्सनालिटी एक ही है। बाबा माना साकार और शिव माना बिंदु। दोनों के मेल से एक पर्सनालिटी बनती है। इसलिए टीचर हैं और सद्गुरु। सद्गुरु तो सदैव साकार ही होता है

और सद्गुरु को दलाल कहा जाता हैं। सद्गुरु निराकारी स्टेज जबतक धारण न करे तबतक सद्गुरु भी नहीं बनता। और शिव निराकारी स्टेज धारण करता है या सदैव सदाशिव है? वो सदैव सदाशिव है। धारण करने की बात ही नहीं।

**Student:** Will the soul of Prajapita himself play the part of the Father, Teacher and *Satguru*?

**Baba:** There are two fathers in an unlimited sense. Among them, the Supreme Soul is revealed only when He enters Prajapita and Prajapita is revealed only when the Supreme Soul Shiv enters him, in Prajapita. It means that both complement each other. Prajapita cannot be revealed without Shiv and the Father Shiv cannot be revealed without Prajapita. And as regards the part of Teacher and Sadguru, only the Supreme Soul is the teacher. Prajapita will not be called the Supreme Teacher. But the *personality* is the same. Baba means corporeal and Shiv means point. The combination of both makes one *personality*. This is why He is the Teacher. And as regards *Sadguru*, *Sadguru* is always corporeal and *Sadguru* is called a *dalaal* (middleman). Until the *Sadguru* achieves an incorporeal stage, he does not become a *Sadguru*. And does Shiv achieve an incorporeal stage or is He always *SadaaShiv*? He is always *SadaaShiv*. There is no question of achieving (that stage) at all.

जिज्ञासु:—तो बाबा सद्गुरु का पार्ट शंकर की आत्मा के द्वारा प्ले होना है फ्यूचर में?

बाबा:— सद्गुरु जब कहा जाता है तो सत् है उसमें, गुरु माना साकार हैं स्वयं। जैसे कहा जाता हैं शिवबाबा। शिव माना कल्याणकारी, प्रजापिता कल्याणकारी नहीं है। लेकिन शिव है कल्याणकारी इसलिए शिवबाबा कहा गया। ऐसे सद्गुरु नाम पड़ा। सत् माना शिव वो सदैव ही सत् हैं और वो आकर के गुरु बनता हैं।

जिज्ञासु :— बाबा ये शिवबाबा तो प्यार का सागर है, मार का सागर नहीं है। जब शंकर की पर्सनालिटी में प्रवेश रहेगा, उस समय, सद्गुरु के पार्ट के समय या नहीं रहेगा? शिवबाबा।

बाबा:— सद्गुरु का पार्ट अंत का पार्ट है, मध्य का पार्ट टीचर का है और आदि का बीजारोपण का पार्ट बाप का है। अंत में बाप वर्सा भी देता है तो अंत का भी पार्ट है। क्योंकि सुखधाम और शांतिधाम का वर्सा देने वाला बाप ही है।

**Student:** So, will the part of *Sadguru* be played through the soul of Shankar in the future?

**Baba:** When we say *Sadguru*, there is truth (i.e. God) in him; guru means he himself is the corporeal one. For example it is said Shivbaba. Shiv means *kalyaankaari* (benevolent). Prajapita is not benevolent but Shiv is benevolent. This is why He has been called Shivbaba. Similarly, the name *Sadguru* was given. *Sat* means Shiv, He is always the truth and He comes and becomes a guru.

**Student:** Baba, Shivbaba is an ocean of love; He is not an ocean of beatings (*maar*); as long as He enters the personality of Shankar will he play the part of *Sadguru* or not? Shivbaba.

**Baba:** The part of *Sadguru* pertains to the end; the part in the mid-period is of teacher and the part of sowing the seed in the beginning is of the Father. The Father also gives the inheritance in the end. So, there is a part in the end as well, because it is only the Father who gives the inheritance of the abode of happiness and the abode of peace.

समय:43.15—44.00

जिज्ञासु:— बाबा लौकिक दुनियाँ में किसी की मृत्यु हो जाती है तो पुरुष सिर मुड़ाते हैं और स्त्रीक्यों नहीं मुड़ाती?

बाबा:—जो माथा मुड़ा जाता है वो दुर्योधन—दुःशासनों का मुड़ा जाना चाहिए या स्त्रियों का मुड़ा जाना चाहिए? स्त्रियाँ दुर्योधन—दुःशासन होती हैं क्या? आजकल तो वहाँ देखो जाकर

स्त्रियाँ भी मुड़ा रही हैं। तिरुपति में देखो जाकर। तिरुपती में जाकर देखो आजकल स्त्रियाँ भी माथा मुड़ा रही हैं, पहले नहीं मुड़ाती थी।

**Time: 43.15-44.00**

**Student:** Baba, if anyone dies in the outside world, the men shave their heads, and why do the women not shave their heads?

**Baba:** Should the heads of Duryodhans and Dushasans be shaved off or should the heads of women be shaved off? Are women Duryodhans and Dushasans? Go there and see – nowadays even women are shaving off their heads. Go to Tirupati and see. Go and observe in Tirupati. Nowadays, women are also shaving off their heads; earlier they did not used to shave.

**समय: 45.40—49.05**

**जिज्ञासु:**— बाबा ये कागज की वाणी भी बाप की वाणी नहीं हैं क्या? बाप तो ये कहता है आत्मिक स्थिति में रहकर अगर हम ज्ञान सुनायेंगे तो गलत नहीं सुनायेंगे, सही सुनायेंगे... ।

**बाबा:**— हा वो शिवोहम् होगा।

**जिज्ञासु:**—नहीं बाबा ऐसी बात नहीं हैं, बाबा ने जब वाणियों में बोला है कि ये मुरली भी जब बाप सुना सकता है, वो आत्मिक स्थितिवाला है। तो हम बच्चे भी आत्मिक स्थिति में जो है वो सुनाने की हिम्मत करता है ये बात उसके लिए कट हो जायेगी बाबा। मतलब कहने का ये है वाणी तो वही हैं, बाप की वाणी हैं अगर कोई आत्मिक स्थिति में रहकर सुनाता है और जिसके पास सुविधा नहीं है सुनाने की। लाइट नहीं है, वो समय तो उसको सफल करना है तो फिर वो कैसे करेगा ये बताइये आप?

**Time: 45.40-49.05**

**Student:** Baba, is this paper Murli not Baba's versions? The Father says that if we remain in a soul conscious stage and narrate knowledge, then we will not narrate anything wrong, we will narrate the right thing .....

**Baba:** Yes, he will become Shiv himself (Shivoham)!

**Student:** Baba, it is not so; when Baba has said in the *Vanis* that when the Father can narrate Murlis... He remains in a soul conscious stage; So, if we children, who are also in a soul conscious stage gather courage to narrate, then will this not be applicable to them Baba? I mean to say, the *Vani* is the same; it is the Father's *vani*; if someone narrates it in a soul conscious stage, and if he does not have the facility to narrate (i.e. play Baba's cassettes/CDs); there is no light (power), if he wants to make best use of his time, then how can he do that? Please tell me.

**बाबा:**— माना मुरली सुनाने से ही समय सफल होता है?

**जिज्ञासु:**—बाबा जो कच्ची आत्मायें होती हैं, बाबा ने तो कहा है कि हर आत्मा को अपन को लेकर चलना है, ये नहीं कि अच्छी-अच्छी आत्मा को ही लेकर चलना है। जो कमजोर आत्मा है, जो सुनने की इच्छा रखती हैं उनके लिए फिर क्या करेंगे बाबा। उनको ये थोड़े ही कहेंगे कि इन चित्रों के सामने आप बैठो, चित्रों का मतलब ही नहीं जानते तो उनको क्या समझायेंगे बाबा?

**बाबा:**—चित्रों का मतलब नहीं जानते तो समझाना है। चित्रों पर बच्चों को समझाया जाता है या सालिम बुद्धियों को समझाया जाता है?

**जिज्ञासु:**—बच्चों को समझाया जाता है बाबा।

**बाबा:**— तो जो बच्चा बुद्धि है उनको चित्रों पर समझाना पड़े।

**Baba:** Does it mean that one can make best use of the time only by narrating Murlis?

**Student:** Baba, the souls who are weak (in knowledge) ; Baba has said that you have to take every soul with you; it is not that you have to take only the nice souls. If a weak soul desires to listen; then what should we do about them Baba? Can we ask them to simply sit in front of these pictures; if they do not know the meaning of the pictures, then, how can we explain to them?

**Baba:** If they do not know the meaning of the pictures then you have to explain to them. Are the children explained about pictures or are the intelligent ones explained?

**Student:** Children are explained Baba.

**Baba:** So, those who have a child-like intellect have to be explained on the pictures.

जिज्ञासु:— नहीं, कट करने की बात हो रही थी। मतलब एडवान्स के बच्चे कागज की मुरली नहीं पढ़ सकते? कागज की भी बाप की वाणी है। जब आत्मिक स्थिति बनेगी तो अपने आप उस बात को उसमें अशुद्ध बात जोड़ दी होगी या कट कर दी होगी उसको जिसने पूरा कोर्स किया है और जो बाप की वाणी को रेग्युलर सुनता है और पंचुअल क्लास करता है तो वो स्टुडेंट तो उस बात को क्लीयर कर के समझा सकता है ना बाबा?

बाबा:—ये बात तो मुरली में ही बोली गई है। कोई फर्स्ट क्लास मुरली सुनते हैं, कोई सेकेण्ड क्लास सुनते हैं, कोई थर्ड क्लास मुरली सुनते हैं। तो फर्स्ट क्लास पढ़ाई पढ़ना अच्छा या थर्ड क्लास पढ़ाई पढ़ना अच्छा?

जिज्ञासु:— फर्स्ट क्लास अच्छा है बाबा।

बाबा:— फिर क्या बात।

**Student:** No, I was talking about the exclusion; I mean to ask, can't the children in advance (party) read the paper Murlis? The paper Murlis are also the Father's versions. When someone acquires a soul conscious stage, the one who has completed the course and the one who listens to the Father's versions regularly and attends the class punctually can explain anything mixed in it or cut from it to that student clearly, can't he Baba?

**Baba:** It has been said in the Murli. Some listen to first class Murli, some listen to second class Murli and some listen to third class Murli. So, is it better to study first class knowledge or is it better to study third class knowledge?

**Student:** First class is better Baba.

**Baba:** Then, what is the issue?

जिज्ञासु:—बाबा ए, कोई के पास टेप की व्यवस्था नहीं है। गरीब परिवार है वो क्या करेगा? मुरली कहाँ से पढ़ेगा टेप की व्यवस्था नहीं है तो। मुरली पढ़कर सुना सकता है, सुन सकता है कि नहीं?

बाबा:—रोटी खाता है या नहीं? रोटी खाता है?

जिज्ञासु:—हाँ।

बाबा:— माना देह का भोजन ले सकता है, कमाई कर सकता है। आत्मा का भोजन की कमाई नहीं कर सकता?

जिज्ञासु:— कर तो सकता है, बाकी नहीं है...

बाबा:— नहीं है तो क्यों नहीं है ? फिर राजाई कैसे लेगा जो अपनी पेट की कमाई नहीं कर सकता? जो अपना बुद्धि रूपी पेट ही नहीं भर सकता, अपना पेट पालन नहीं कर सकता वो दूसरों के ऊपर राजाई क्या करेगा?

जिज्ञासु:— जैसे मान लो टेप भी किसी के पास है यदि लाईट चली जाती है तो फिर वो मुरली सुनना है तो कैसे?

बाबा:— बैटरी आती है।

**Student:** Baba, if someone does not have the arrangement of tape; if someone belongs to a poor family, what will he do? How can he read Murli if he does not have the arrangement of tape.? Can't he read and narrate Murlis; can't he listen to Murlis?

**Baba:** Does he eat *roti* or not? Does he eat *roti*?

**Student:** Yes.

**Baba:** It means that he can eat food for the body; he can earn. Can't he earn for the food of the soul?

**Student:** He can. As for the rest he does not have...?

**Baba:** If he does not have, why doesn't he not have? Then how will he achieve kingship? The one who cannot earn, the one who cannot fill his stomach-like intellect, the one who cannot feed himself; how will he rule over others?

**Student:** Suppose, someone has a tape, and if the light is gone, then he has to listen to Murli; so how can he do that?

**Baba:** There are batteries for that.

.....  
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.